

Krishna Nand P.A III HOD'S ① Random Sampling
(continue)

(vi) मध्यम जनसंख्या के लिए उपयुक्त (Appropriate for Moderate population) Kendall (1967) ने अपनी अध्ययन में पाया है कि Random Sample वैसी जनसंख्या के लिए उपयुक्त होता है जो न तो अधिक लंबा आकार का है और न बड़ा बल्कि मध्यम आकार वाली जनसंख्या के लिए Random Sample अधिक उपयुक्त होता है। क्योंकि वैसी आकार वाली जनसंख्या में Random Sample का निर्माण करना अधिक उपयुक्त होता है।

(vii) सम्भाव्यता संरचना का ज्ञान होना (Known probability structure) :- Rieber (1987) ने कहा है कि इस प्रतिदर्श का एक गुण यह भी है कि इसे Sample पर आधारित होता है, जिसमें वास्तविक संरचना के अनुकूल घटनाओं या तत्वों का चयन करना सम्भव होता है।

(viii) उच्च विश्वसनीयता (High Reliability) :- Random Sample पर आधारित प्रतिदर्श वास्तविक काफी विश्वसनीय होता है। मिलावट समझ में इस प्रतिदर्श द्वारा प्राप्त परिणामों में काफी स्थिरता तथा संगति पायी जाती है।

(ix) उच्च वैधता (High validity) Random Sampling अपनी जनसंख्या का valid representation करता है। "Chaplin" (1975) ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि Random Sampling के आधार पर सभी जनसंख्या में सम्बन्धों के सम्बन्ध में अविद्यमानताओं को समाहित करना सम्भव होता है। इसमें पूर्ण अविद्यमानता वैधता पायी जाती है।

मापदंड, प्रतिदर्श की सीमाएँ (Advantages, Disadvantages or Limitations of Random Sampling) :-
Random Sample की कुछ सीमाएँ हैं जिनका वर्णन निम्नलिखित ढंग से किया जा रहा है।

Koushna Nanda B.A III Hons (2) Random Sampling
(continue)

(ii) 'विषम जातीय जनसंख्या' के लिए अनुपयुक्त: → विषम जातीय जनसंख्या के लिए Random Sample उपयुक्त नहीं होता है। विषम जातीय जनसंख्या उस जनसंख्या का समष्टि को कहते हैं, जिसकी संरचनात्मक इकाइयों विभिन्न स्वभाव की होती हैं। ऐसी विषम जातीय इकाइयों से Random Sample का निर्माण करना वास्तविक अर्थ में

संभव नहीं होता है।

(iii) बहुत बड़ी जनसंख्या के लिए अनुपयुक्त: → जब जनसंख्या का आकार बहुत बड़ा होता है तो ऐसी जनसंख्या की इकाइयों इतनी अधिक होती हैं कि उसका गणना करना और सूचीबद्ध करना संभव नहीं हो पाता है। अतः इस प्रकार के जनसंख्या के लिए Random Sample उपयुक्त नहीं होता है।

(iv) विस्तृत जनसंख्या के लिए अनुपयुक्त: → विस्तृत जनसंख्या की संख्या इकाइयों का फैलाव इतना अधिक होता है कि उनकी संख्या को हीकर निर्धारित करना संभव नहीं हो पाता है। इस तरह इससे निर्मित प्रतिरूप जनसंख्या का पूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं कर पाता है। अतः Random Sample की मदद से विकृत संज्ञा है।

(Effect of bias): →

(v) पदापात का प्रभाव "Yule and Kendall" (1947) ने Random Sampling

के अंतर्गत आलोचना करते हुए कहा है कि यह पदापात संभव नहीं है क्योंकि sample लाने समय निरीक्षण करने में अपनी परसूच्य स्वभाव गनीतुकुलता का परिचय देता है जिससे कारण इससे निर्मित sample अतः जनसंख्या का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाता है।